11. काव्यप्रकाश में मम्मट द्वारा प्रस्तुत लक्षणा शब्द-शक्ति का वर्णन कीजिए।

12. गुण तथा अलङ्कारों के मध्य भेद का निरूपण कीजिए।

13. 'प्रतीयमानं पुनरन्यदेव वस्त्वस्ति' ध्वन्यालोक के अनुसार वर्णन कीजिए।

MASA-07

June – Examination 2023

M.A. (Final) Examination

SANSKRIT

(साहित्यशास्त्र)

Paper : MASA-07

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) 'काव्यप्रकाश' का विभाजन किसके अंतर्गत किया गया है ?

(ii) 'काव्यस्यात्मा स एवार्थः' किसका कथन है ?

(iii) ध्वन्यालोक के मंगलाचरण में किसकी स्तुति की गई है ?

(iv) आनन्दवर्धन किस सम्प्रदाय के आद्य-प्रवर्तक माने जाते हैं ?

(v) ध्वनि के भेद-प्रभेदों में से किसे उत्कृष्ट कहा गया है ?

(vi) 'स मुख्योऽर्थस्तत्रमुख्यो व्यापरोऽस्यामिधोच्यते' यह किसका कथन है ?

(vii) 'काक्वाक्षिप्त' किसे कहते हैं ?

(viii) 'ध्वन्यालोक' में कुल कितने उद्योत हैं ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** कारिका की हिन्दी में सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

(i) शक्तिर्निपुणता लोकशास्त्रकाव्याद्यवेक्षणात्।
काव्यज्ञशिक्षयाभ्यास इति हेतुस्तदुद्भवे॥

(ii) मुख्यार्थबाधे तद्योगे रूढ़ितोऽथ प्रयोजनात्।
अन्योऽर्थो लक्ष्यते यत् सा लक्षणारोपिता क्रिया॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** कारिका की सप्रसङ्ग व्याख्या संस्कृत में कीजिए :

(i) योऽर्थः सहृदयश्लाघ्यः काव्यात्मेति व्यवस्थितः।
वाच्यप्रतीयमानाख्यौ तस्य भेदावुभौ स्म तौ॥

(ii) यत्रार्थः शब्दो वा तमर्थमुपसर्जनीकृतस्वार्थौ।
व्यङ्क्तः काव्यविशेषः स ध्वनिरितिसूरिभिः कथितः॥

4. 'काव्यप्रकाश' के अनुसार गुणत्रय का विवेचन कीजिए।

5. 'काव्यप्रकाश में वर्णित शब्द-शक्तियों का वर्णन कीजिए।

6. अभिहितान्वयवाद को समझाइए।

7. आर्थीव्यञ्जना पर टिप्पणी लिखिए।

8. ध्वन्यालोक में वर्णित भाक्त मत को बताइए।

9. ध्वन्यालोक में आनन्दवर्धन द्वारा विवेचित काव्यगत गुणों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. 'शक्तिर्निपुणता लोकशास्त्राद्यवेक्षणात् हेतुस्तदुद्भवे।' मम्मट द्वारा वर्णित काव्य के हेतु पर विवेचना प्रस्तुत कीजिए।